i-NEXT PAGE 4

वीसी ने विभागों से मांगी 10 वर्षों की प्लानिंग

एलयू में 10 साल के विजन पर किया गया मंथन

LUCKNOW (3 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी के फिजिक्स डिपार्टमेंट में शुक्रवार को 10 साल के विजन प्लान को लेकर मंथन हुआ. इस दौरान प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों से आगामी 10 वर्ष के लिए विजन प्लान तैयार करने को कहा है. उन्होंने बताया कि कुलाधिपति ने राज्य की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सभी यूनिवर्सिटी से योजना मांगी है. विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इसमें नए पाठ्यक्रम के विकास, कौशल विकास के कार्यक्रम, शोध व नवाचार बढ़ाने, वैज्ञानिक सामाजिक दायित्व के तहत तकनीकी योगदान के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा हुई.

विभागीय समिति हुई गठित

इस दौरान प्रो. ओंकार प्रसाद की अध्यक्षता में एक विभागीय समिति का गठन किया गया है. जिसके सदस्यों में प्रो. नीरज मिश्रा, प्रो. एमएम वर्मा, प्रो. अमृतांशु शुक्ल, डॉ. आरबी सिंह व डॉ. अतुल श्रीवास्तव शामिल हैं. विजन प्लान एनईपी 2020 के अनुरूप होगा. भौतिक विज्ञान विभाग 6 मार्च तक इसको बनाकर आगे पेश करेगा. इसके बाद बाकी विभाग भी प्लान देंगे. जिसे राजभवन को भेजा जाएगा.

तीन अप्रैल को होगा स्टेटिस्टिक्स का प्रैक्टिकल

एलयू के सांख्यिकीय विभाग ने एमए व एमएससी थर्ड सेमेस्टर की प्रैक्टिकल डेट जारी कर दी है. 3 अप्रैल को प्रैक्टिकल परीक्षा होगी. वहीं सेमेस्टर वन की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 5 अप्रैल को होंगी. प्रैक्टिकल सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होंगे.

स्टार्टअप के लिए आवेदन

एलयू के इंक्यूबेशन सेंटर के स्टार्टअप व स्टार्टअप आइडिया के लिए आवेदन मांगे हैं. इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो. अमृतॉशु शुक्ल ने बताया कि प्रदेश सरकार के विशेष बजट से स्टार्ट अप को मदद मुहैया करवाने की नीति बनाई गई है. ऐसे में एलयू ने भी ऐसे आइडिया मांगकर युवाओं को एक प्लेटफॉर्म दे रहे हैं. इसके लिए इच्छुक कैंडीडेट गूगल फॉर्म या इमेल के जरिए विवि के इंक्यूबेशन सेंटर को आइडिया भेज सकते हैं. इसके अलावा प्रो. पुष्पेंद्र त्रिपाठी, डॉ. सीमा मिश्रा, डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. प्रतिभा बंसल से भी संपर्क कर सकते हैं.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : मान्यता के लिए अब 17 तक का मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए कॉलेज और बीएड को छोड़कर अन्य पाठ्यक्रमों की एनओसी जारी करने में कॉलेजों को थोड़ी राहत दी गई है। अब कॉलेजों को 17 मार्च तक भूसंबंधी अभिलेखों का राजस्व विभाग से सत्यापन कराना होगा। काफी कॉलेजों की एनओसी भूसंबंधी अभिलेख का सत्यापन न जमा हो पाने की वजह से लंबित है। इसको देखते हुए विवि प्रशासन ने 17 मार्च तक का मौका दिया है।

कुलसचिव संजय मेधावी की ओर से जारी आदेश के अनुसार 17 मार्च तक भूसंबंधी अभिलेख का सत्यापन होने के बाद 25 मार्च तक अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। 10 अप्रैल तक निरीक्षण मंडल का गठन कर दिया जाएगा। निरीक्षण मंडल को 31 मई तक अपनी रिपोर्ट देनी होगी। इसके बाद पांच जून तक रिपोर्ट ऑनलाइन अपलोड की जाएंगी। 15 जून को ऑनलाइन संबद्धता जारी कर दी जाएगी। शासन के पास अपील करने के लिए लविवि इसमें 15 दिन का मौका देगा। 30 जून तक की गई अपील का निस्तारण 15 जुलाई तक कर दिया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. डीके सिंह को कार्य अधीक्षक का चार्ज

लखनऊ। लविवि के निर्माण कार्य अधीक्षक प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का तीन वर्ष का कार्यकाल बृहस्पतिवार को समाप्त हो गया। इसके बाद शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार ने समाज कार्य विभाग के प्रो. डीके सिंह को अन्य दायित्वों के साथ कार्य अधीक्षक पद का अतिरिक्त चार्ज दिया। (संवाद)

तैयार करेंगे उद्योग से जुड़े पाठ्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का भौतिक विज्ञान विभाग छात्रों को इंडस्ट्री से जोड़ने वाला पाठ्यक्रम तैयार करेगा। इसके चलते विभाग अपना 10 वर्षीय विजन डॉक्यूमेंट तैयार कर रहा है। डाक्यूमेंट तैयार कर रही समिति ने शुक्रवार को प्रो. ओंकारनाथ की अध्यक्षता में पहली बैठक की। इसमें छात्रों को इंडस्ट्री से जोड़ने वाले पाठ्यक्रम पढ़ाए जाने की बात कही गई। लविवि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि हमारा प्रयास है कि 10 वर्षीय विजन डाक्यूमेंट को छह मार्च तक अंतिम रूप देकर विचार के लिए उच्च स्तर पर भेज दें। (संवाद)

लविवि : परीक्षा में पकड़े गए 10 नकलची

लखनऊ। लविवि में चल रही स्नातक पहले व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा में शुक्रवार को उड़ाका दल ने 10 नकलची पकड़े। इन सभी की कॉपियां जब्त कर नई कॉपी दी गई। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के मुताबिक शुक्रवार को परीक्षा में 83982 विद्यार्थी शामिल हुए, जबकि 280 छात्रों ने परीक्षा नहीं दी। उधर, रायबरेली जिले में लविवि की परीक्षा में सामूहिक नकल कराने का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो ऊंचाहार के सेमरी नरापुर स्थित पयाग महाविद्यालय का बताया जा रहा है। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

विश्व वन्य जीव दिवस पर दिया सम्मान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्य जीव विज्ञान संस्थान, उप्र स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड के सहयोग से शुक्रवार को जूलाजी विभाग में विश्व वन्य जीव दिवस पर सम्मान समारोह किया गया। विभाग ने पांच युवा वन्य जीव संरक्षकों को सम्मानित किया। इनमें विपुल मौर्या, श्रीपर्णा दत्ता, रवि शर्मा, अरुणिमा सिंह और आदित्य तिवारी शामिल हैं। संस्थान की कोआर्डिनेटर प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सेराजुद्दीन, प्रो. मोनिषा बजर्नी, डा. हादिया हुसैन उपस्थित रहे। (जासं)

धरे गए 10 नकलची

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं में शुक्रवार को उड़ाका दल ने कैंपस सहित अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दोनों पालियों में 10 परीक्षार्थी नकल करते धरे गए। इनमें पांच कैंपस से पकड़े गए। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू: वन्यजीव दिवस पर रक्षकों का सम्मान

लखनऊ। एलयू के जूलॉजी विभाग ने विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर शुक्रवार को वन्यजीवों की रक्षा का कार्य करने वाले युवाओं के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर गंगा नदी में प्रजातियों की बहाली के लिए अनुसंधान सहयोगी विपुल मौर्य, टीएसए इंडिया प्रोग्राम के शोधकर्ता श्रीपर्ण दत्ता, एचसीएल फाउंडेशन से रवि शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

PIONEER PAGE 4

शताब्दी वर्षः समाजशास्त्र विभाग बना एलयू का सबसे ज्यादा प्लेसमेंट देने वाला विभाग

लखनऊ। अपनी स्थापना के 100 वर्ष के सफर को पूरा कर चके लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारियों में लगा हुआ है। इस बीच विवि का यह विभाग अन्य विभागों के मुकाबले सबसे अधिक प्लेसमेंट देने वाला विभाग बन गया है। 2017 से अब तक सबसे अधिक प्लसमेन्ट दिलाने में कामयाब रहा विवि का यह विभाग अपनी स्थापना के समय से समृद्ध रहा है। यहां पर डॉक्टर राधा कमल मुखर्जी जैसे बड़े साइकोलॉजिस्ट हुए हैं। विभाग प्रमुख प्रोफेसर दीप्ति रंजन साहू ने बताया कि यह विभाग 100 वर्ष के होने के साथ ही नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि नैक ग्रेडिंग के समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सभी विभागाध्यक्षो की मीटिंग में कहा था कि सोशयोलॉजी विभाग सबसे अधिक प्लेसमेंट दिलाने में कामयाब रहा है जो आज भी कायम है। प्रो साहू ने कहा कि बीते 3 सालों में इस डिपार्टमेंट ने केवल 50 से अधिक छात्रों का असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति उच्च शिक्षा विभाग व गवर्नमेंट इंटर कॉलेजों में लोक सेवा आयोग के जरिए हुई है। साथ ही बीते 5 सालों में 16 छात्र ब्यूरोक्रेट्स बने हैं। वहीं 35 छात्र रिसर्च आर्गेनाईजेशन में नौकरी पाने में सफल रहे है। इसके 75 छात्र उच्च शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा में नौकरी पाने में सफल रहे हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

एमओयू दे रहे उद्यमिता को धार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

छात्रों को लाभ

- बीते एक साल में एमओयू करार में आई तेजी
- लखनऊ विश्वविद्यालय समेत अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों को मिल रहा है लाभ

अमृत विचार : राजधानी के विश्वविद्यालयों में मेमोरेंडम ऑफ अंडर स्टेंडिंग (एमओयू) करार ने युवाओं को धार दी है। पिछले करारों को छोड़ दिया जाए तो मौजूदा हुए करारों में तेजी आई है। इसमें विश्वविद्यालयों का एक पैसा तक नहीं खर्च हो रहा है और करार करने वाले संस्थान व कंपनियां युवाओं को पढ़ाई के साथ उनके भविष्य के सपनों को पूरा करा रही हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व डीन एकेडमिक राकेश चंद्रा के मुताबिक लखनऊ विवि के पिछले तीन सालों में जितने भी एमओयू पास किए गए, सभी पर कार्य किया जा रहा है। इसमें नेशनल व इंटरनेशनल स्तर पर विद्यार्थियों को रिसर्च करने व रिसर्च स्कॉलर से मिलने का मौका मिल रहा है। उनका कहना है कि लखनऊ विश्वविद्यालय के साइंस सिटी से लेकर जूट कंपनियों तक से उद्यमिता स्केल को बढ़ाने में लाभ मिल रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक प्रो. डॉ. पूनम पांडेय बताती हैं कि एमओयू साइन होने से विश्वविद्यालय के छात्रों काफी लाभ हो रहा है। इसमें अब तक हुए रिसर्च व कार्यक्रमों में छात्रों को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिला है। साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ विदेश के कई विश्वविद्यालयों के साथ भी करार चल रहे हैं जिससे छात्रों को लखनऊ से विदेशी संस्कृति व सभ्यता से अवगत कराया जा रहा है।

उधर, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में भी बीते एक साल में कई ऐसे एमओयू करार तकनीकी उच्च शिक्षा हासिल कर रहे छात्रों की पढ़ाई को धार दे रहे हैं। एकेटीयू के जनसंपर्क अधिकारी पवन कुमार त्रिपाठी का कहना है कि बीते एक साल में हुए सभी एमओयू का लाभ छात्रों को मिल रहा है। हर करार पर लगातार काम हो रहा है।

वहीं डॉ. राममनोहर लोहिया केंद्रीय विधि विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी डॉ. अपर्णा सिंह की मानें तो लगातार एमओयू करारों से विधि छात्रों को सेमिनार व अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसमें युवाओं को नए नए विषयों पर काम करने का मौका मिल रहा है।

वहीं भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय बीबीएयू की जनसंपर्क अधिकारी डॉ. रचना गंगवार बताती हैं कि विश्वविद्यालय से हो रहे करार से छात्रों में एकेडमिक के साथ सांस्कृतिक व अन्य सभ्यता का आदान-प्रदान में सहायता मिल रही है। पढ़ाई के साथ साथ सीखने और समझने का अवसर मिल रहा है।

क्या है करार

विश्वविद्यालयों के मेमोरेंडम आफ अंडर स्टेंडिंग (एमओयू) समझौता ज्ञापन दो संस्थानों के बीच किया गया ऐसा करार जो संस्थानों में पढ़ रहे छात्रों को एकेडमिक के साथ अपनी प्रतिभा सही आंकलन करने का मौका देता है। विश्वविद्यालयों ऐसे करार में तेजी आई है जिससे पढ़ाई कर रहे छात्रों को सीधे लाभ पहुंच रहा है।

10 वर्षीय विजन प्लान पर मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय को देश ही नहीं अपितु विश्व के स्तरीय विश्वविद्यालयों के समकक्ष तैयार करने करने के लिए सभी विभागों से आगामी दस वर्ष के लिए विजन प्लान बनाने की तैयारी तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि कुलाधिपति ने राज्य की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सभी विश्वविद्यालयों से आगामी योजनाओं की मांग की गई है। शुक्रवार को इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में अधिष्ठाता अकादमिक द्वारा तैयार किये जा रहे विजन प्लान पर आगामी दस वर्षीय विभागीय योजना पर गहन मंथन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इसमें नए पाठ्यक्रम के विकास, कौशल विकास के कार्यक्रम, शोध एवं नवाचार बढ़ाने, वैज्ञानिक सामाजिक दायित्व के तहत समाज विशेषकर ग्रामीण परिवेश से जुड़ी समस्याओं में तकनीकी योगदान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि प्रो. ओंकार प्रसाद की अध्यक्षता में एक विभागीय समिति का गठन किया गया है, जिसके सदस्यों में प्रो. नीरज मिश्रा, प्रो. एम एम वर्मा, प्रो. अमृतांशु शुक्ल, डॉ. आरबी सिंह व डॉ. अतुल श्रीवास्तव शामिल हैं। विजन प्लान एनईपी 2020 के अनुरूप होने के साथ ही अल्पावधि 0-3 वर्ष, मध्यावधि 3-7 वर्ष व लंबी अवधि 7-10 वर्ष लक्ष्य निर्धारित करेगा। भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा छह मार्च तक इसको बनाकर आगे विचारार्थ प्रस्तुत किया जायेगा।

इनक्यूबेशन सेंटर देगा स्टार्ट-अप को पंख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मौका

- स्टार्ट-अप शुरू करना चाहते हैं तो करें लखनऊ विश्वविद्यालय से संपर्क
- लविवि के इनक्यूबेशन सेंटर ने स्टार्ट-अप आइडिया के लिए मांगे आवेदन

अमृत विचार : अगर आप प्रदेश में स्टार्ट-अप शुरू करना चाहते हैं और उसके लिए आपके पास बेहतरीन आइडिया है, तो इधर उधर भटकने की जरूरत नहीं है, अब सीधे लखनऊ विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर से संपर्क कर सकते हैं। लखनऊ विश्व विद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर ने स्टार्ट-अप आइडिया के लिए आवेदन मांगे हैं।

शुक्रवार को इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ल ने बताया कि उत्तर प्रदेश मे स्टार्ट अप के लिए अनेक संभावनाएं हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार ने विशेष सरकार से बजट निर्धारित किया है। और स्टार्ट अप को मदद मुहैया करवाने तथा प्रोत्साहित करने के लिए विशेष नीति बनाई है। उत्तर प्रदेश द्वारा मान्यता प्राप्त मान्यता इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से यह मदद मुहैया करवाई जाती है।

बता दें कि विश्विविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय के दिशा-निर्देशन में 2022 में इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई थी। लखनऊ विश्विविद्यालय कुलपति के नेतृत्व में लविवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने के साथ ही छात्र छात्राओं को रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही रोजगार देने वाले युवाओं को भी तैयार कर रहा है।

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेन्टर के निदेशक प्रो अमृतांशु शुक्ल, फार्मा साइंस विभाग के डॉ. पुष्पेंद्र त्रिपाठी व रसायन विभाग की डॉ. सीमा मिश्रा केंद्र के अतिरिक्त निदेशक हैं तथा कंप्यूटर साइंस विभाग के डॉ. हिमांशु पांडेय, रसायन विभाग की डॉ. प्रतिभा बंसल, आईएमएस की डॉ. आस्था शर्मा इस केंद्र की सदस्य हैं। इनसे भी संपर्क कर किया जा सकता है।

TARUN MITRA PAGE 2

सम्मेलन के ब्रोशर, लोगो व वेबसाइट का हुआ अनावरण

लखनऊ , 03 मार्च (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय द्वारा 17 व 18 अप्रैल को रिसेंट एडवांसेस इन सिविल मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा हैं। जिसके तहत शुक्रवार को अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो.एके सिंह ने राष्ट्रीय सम्मेलन का ब्रोशर, अधिकारिक लोगो और वेबसाइट का अनावरण किया।

इस दौरान संकाय के शिक्षक डॉ.कमलेश तिवारी, डॉ. शैलेंद्र भास्कर, इंजी. जेपी सिंह, डॉ. अनुपम त्रिपाठी, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, इंजी.जीशान अली, इंजी.अभिजीत उपस्थित रहें।

AMRIT VICHAR PAGE 4

प्रयोगात्मक परीक्षा 3 व 5 अप्रैल को

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टैटिक्स विभाग ने शुक्रवार को एमए एमएसी स्टैटिक्स की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथि की घोषणा कर दी है। प्रो. मसूद एच सिद्दीकी ने बताया कि एमएमएसी स्टैटिक्स के प्रथम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 5 अप्रैल को आयोजित होगी। वहीं एमएमएसी स्टैटिक्स के तृतीय सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 3 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित कराई जाएगी।

एलएलएम व बीकॉम एलएलबी आनर्स की कक्षाएं 16 से

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के ...लएलएम व बीकॉम एलएलबी आनर्स की ...। सेमेस्टर की कक्षाएं 16 मार्च से शुरू जाएंगी। विधि संकाय की विभागाध्यक्ष ...ाली यादव ने बताया कि विधि संकाय में ... मार्च से सुबह 10 :15 से एलएलएम व ...ॉम एलएलबी आनर्स की कक्षाएं शुरू ...ही हैं। एलएलएम व बीकॉम एलएलबी ...नर्स के सम सेमेस्टर में अध्ययन कर रहे ...त्र व छात्राएं को निर्देशित करते हुए कहा है ... समय से कक्षाओं में पहुंचे।

विश्वविद्यालय में दस वर्षीय विजन प्लान को लेकर बनी रणनीति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजभवन की तरफ से सभी विश्वविद्यालयों से मांगे गये दस वर्षीय विजन प्लान को लेकर शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विज्ञान विभाग में एक बैठक की गयी। अधिष्ठाता अकादमिक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विजन प्लान पर आगामी दस वर्षीय विभागीय योजना को लेकर गहन मंथन हुआ।

विभागाध्यक्ष प्रो पूनम टंडन ने बताया कि इसमें नए पाठ्यक्रम के विकास, कौशल विकास के कार्यक्रम, शोध एवं नवाचार बढ़ाने, वैज्ञानिक सामाजिक दायित्व के तहत समाज विशेषकर ग्रामीण परिवेश से जुडी समस्याओं मे तकनीकी योगदान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि बैठक में प्रो ओंकार प्रसाद की अध्यक्षता में एक विभागीय समिति का गठन किया गया है। जिसके सदस्यों में प्रो नीरज मिश्रा, प्रो एम एम वर्मा, प्रो अमृतांशु शुक्ल, डॉ आर बी सिंह व डॉ अतुल श्रीवास्तव शामिल हैं। विजन प्लान एनईपी 2020 के अनुरूप होने के साथ ही अल्पावधि लक्ष्य निर्धारित करेगा। भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 6 मार्च तक इसको बनाकर आगे विचारार्थ प्रस्तुत किया जायेगा, जिससे पश्चात सभी विभागों के संयुक्त विजन प्लान को मिलाकर लखनऊ विश्वविद्यालय के दस वर्षीय विजन प्लान को राजभवन को भेजा जाएगा।

इनक्यूबेशन सेन्टर आपके स्टार्ट-अप को देगा पंख

उत्तर प्रदेश में अगर आप स्टार्ट-अप खोलना चाहते हैं और उसके लिए आपके पास बेहतरीन आईडिया है तो सीधे लखनऊ विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर से संपर्क कर सकते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर ने स्टार्ट.अप और स्टार्ट.अप आईडिया के लिए आवेदन मांगे हैं। बता दें कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक राय के दिशा.निर्देशन में 2022 में इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई थी। इनक्यूबेशन सेन्टर के निदेशक प्रोफेसर अमृतॉशु शुक्ल ने बताया कि उत्तर प्रदेश मे स्टार्ट अप के लिए अनेक संभावनाएं हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार ने विशेष सरकार से बजट निर्धारित किया है तथा स्टार्ट अप को मदद मुहैया करवाने तथा प्रोत्साहित करने के लिए विशेष नीति बनाई है।

बता इें कि इनक्यूबेशन सेंटर एक प्रकार नवउद्यमियों के लिए एक प्रारंभिक मंच की तरह होता है जो शुरुआती दौर में स्टार्टअप की संरचना तथा उसे आगे बढ़ने में उद्यमी की मदद करता है। विश्वविद्यालय तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में इनक्यूबेशन सेन्टर की स्थापना से लाइब्रेरी, मीटिंग, कॉन्फ्रेंस, कैंटीन, पुस्तकालय के साथ तकनीकी सहयोग आसानी से सुलभ हो जाता है। इच्छुक स्टार्टअप गूगल फॉर्म या ईमेल के जरिए विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं।

TOI PAGE 3

LU set for desi hues, millet dishes on Holi

Ajay Kumar

Students celebrate Holi on Lucknow University's campus on Friday

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: For Lucknow University students it will be 'Holi Hai' with millets during the festival celebration on the second campus. LU's Dr BR Ambedkar Girls' hall will be celebrating Holi on Saturday at the hostel themed around 'Healthy Holi and Happy Holi,' let's celebrate with dishes of millet.

A number of dishes from millets will be prepared by hostellers to celebrate both Holi and the International Year of Millets to ensure nutrition security.

"From ragi thandai to sweet dishes made up of millets we are planning to prepare a number of cuisines from the course grain during Holi celebration at the campus," said a hosteller Shruti Singh.

LU Dean Student Welfare Prof Poonam Tandon said, "Apart from millet dishes, we are also organizing Rangotsav at HJB Law hostel on the second campus and in the Institute of Management Sciences." A riot of colours was witnessed in LU's old campus on Friday with students celebrating Holi with gulal before leaving for their respective homes

HT PAGE 5

FORENSIC SCIENCE STUDENTS VISIT 'CRIME SCENES' ON LU CAMPUS

LUCKNOW: Three teams of students of MSc forensic science, anthropology department, University of Lucknow (LU), carried out a mock drill of a crime situation on Thursday. As part of the activity, three virtual crime scenes were prepared on the campus to demonstrate how to carry out investigations on the basis of physical evidence.

The faculty from forensic science Saurabh Pratap Singh told students about the importance of the crime scene investigation and talked about the tools and techniques used during the investigation. Vice chancellor of LU Prof Alok Kumar Rai said practical and experimental education has an immense role in forensic science. HTC

LOK SATYA PAGE 3

राष्ट्रीय सम्मेलन के ब्रोशर और लोगो का अनावरण

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय द्वारा 17 एवं 18 अप्रैल 2023 को रिसेंट एडवांसेस इन सिविल मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (RACMEE-2023) विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है।जिसके तहत आज दिनांक 3 मार्च 2023 को अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर ए. के सिंह द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन का ब्रोशर, अधिकारिक लोगो और वेबसाइट (http://racmee.org) का अनावरण किया गया।अनावरण के दौरान संकाय के शिक्षक डॉ० कमलेश तिवारी, डॉ. शैलेंद्र भास्कर, इंजी० जे०पी० सिंह, डॉ. अनुपम त्रिपाठी, डॉ० सिद्धार्थ सिंह, इंजी० जीशान अली, इंजी० अभिजीत उपस्थित रहें।

NBT PAGE 6

तैयारी प्रदेश सरकार ने स्टार्टअप के प्रोत्साहन को जारी किया है विशेष बजट

एलयू ने स्टार्टअप के लिए मांगे आइडिया

एनबीटी सं, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी के इन्क्यूवेशन सेंटर ने स्टार्टअप के लिए आइडिया आमंत्रित किए हैं। इसमें यूपी में स्टार्टअप शुरू करने की इच्छा रखने वाले आवेदन कर सकते हैं। सेंटर के निदेशक प्रो. अमृतांशु शुक्ल ने शुक्रवार को वताया कि प्रदेश सरकार ने स्टार्टअप को मदद मुहैया करवाने और प्रोत्साहित करने के लिए विशेष वजट निर्धारित किया है। ऐसे में स्टार्टअप के लिए इनक्यूवेशन सेंटर से जुड़ने के लिए कंपनी का रजिस्ट्रेशन होना और प्रमाण पत्र लेना जरूरी है। इसमें विवि से वाहर के लोग भी जुड़ सकते हैं वशर्ते उनकी कंपनी का प्रमुख कार्यालय क्षेत्र उत्तर प्रदेश में हो। डीएसडव्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने वताया कि इच्छुक लोग स्टार्टअप के लिए गूगल फॉर्म या ईमेल के जरिए विवि के इनक्यूवेशन सेंटर तक अपनी वात पहुंचा सकते हैं।

पहले सेमेस्टर के प्रैक्टिकल पांच को : एलयू में स्टैटिक्स के एमए/एमएससी के पहले सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा की डेट जारी कर दी गई है। पहले सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 5 मार्च को होगी। एचओडी प्रो. मसूद एच.सिद्दीकी ने वताया कि ये परीक्षा सुवह 11 वजे से होगी।

10 वर्षों के विजन प्लान पर हुआ मंथन

एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के भौतिक विज्ञान विभाग में शुक्रवार को डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन की मौजूदगी में विवि के सभी विभागों से अगले 10 वर्षों का विजन प्लान तैयार करने को लेकर मंथन किया गया ताकि शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाया जा सके। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि इसमें नए पाठ्यक्रम के विकास, कौशल विकास के कार्यक्रम, शोध एवं नवाचार बढ़ाने, वैज्ञानिक सामाजिक दायित्व के तहत समाज विशेषकर ग्रामीण परिवेश से जुड़ी समस्याओं में तकनीकी योगदान के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की गई। इस बीच प्रो. ओंकार प्रसाद की अध्यक्षता में एक विभागीय समिति का गठन किया गया है। समिति में प्रो. नीरज मिश्रा, प्रो. एमएम वर्मा, प्रो. अमृतांशु शुक्ल, डॉ. आरबी सिंह व डॉ. अतुल श्रीवास्तव शामिल हैं।

10 स्टूडेंट नकल करते पकड़े गए : एलयू स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत वीए, वीवीए, वीकॉम, वीएससी और वीकॉम (ऑनर्स) विषम सेमेस्टर 2022 की परीक्षाओं में शुक्रवार को 84262 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड थे। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने वताया कि लखनऊ सहित पांच जिलों में 150 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा की प्रथम पाली में 48377 और द्वितीय में 35885 विद्यार्थी रजिस्टर्ड थे। दोनों पाली में 280 स्टूडेंट्स अनुपस्थित रहे। परीक्षा नियंत्रक ने वताया कि दोनों पालियों में कुल 10 स्टूडेंट नकल करने के आरोप में पकड़े गए।

युवाओं को किया गया सम्मानित : एलयू के जूलॉजी विभाग ने विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर शुक्रवार को वन्यजीवों की रक्षा का कार्य करने वाले युवाओं में विपुल मौर्य श्रीपर्ण दत्ता (शोधकर्मा, टीएसए इंडिया प्रोग्राम), रवि शर्मा (एचसीएल फाउंडेशन), अरुणिमा सिंह (परियोजना समन्वयक, टीएसए) और आदित्य तिवारी (पर्यावर्णम सोसायटी के संस्थापक) को सम्मानित किया गया।